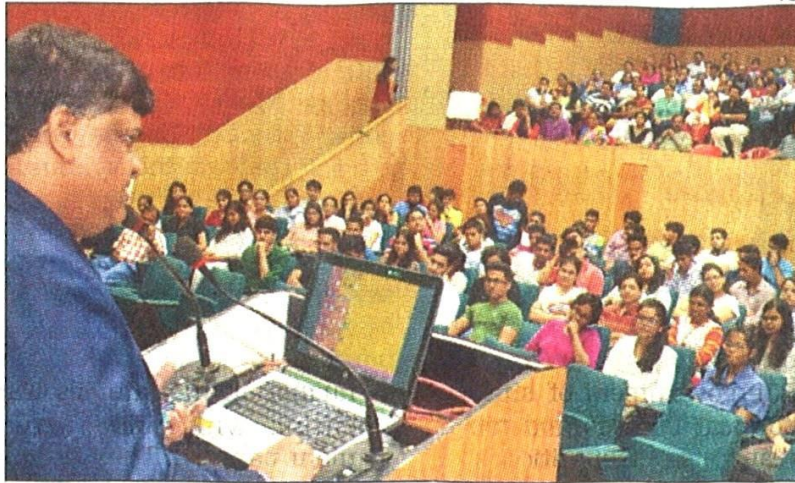


Sixth IPM batch inducted at IIM-I

TOI



IPM induction programme at IIM Indore on Tuesday

TIMES NEWS NETWORK

Indore: The sixth batch of Integrated Programme in Management (IPM) 2016-21 at Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) began on Tuesday with a two-day induction programme.

Initiated with a purpose to encourage young minds and brief them about the coming five years they would be spending at the IIM-I, the programme saw registration of over 121 students. A session on disability sensitization by Mohammad Asif Iqbal, principal consultant (manager), PwC was also conducted on the day.

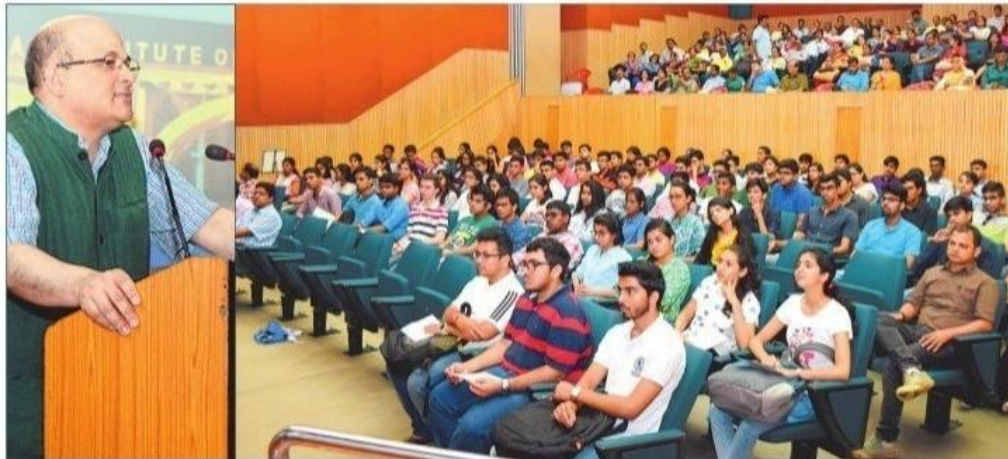
Iqbal lost his eyesight at a tender age of 16, but with his constant enthusiasm to learn and positive zeal, he crossed all the hurdles of his life. Sharing his childhood experience he sa-

id, "When I started to lose my eyesight, I started considering that I was incapable of everything and was not meant to learn. Teachers started believing that it is worthless to spend time on me, as I would fail. But, then I decided to overcome the negativity and the fear and prove myself that I can also live a normal life."

Congratulating the new batch of IPM, Iqbal advised the students to always remain positive, seek for knowledge and focus on the passion, which keeps them happy.

The programme commenced with lighting of lamp by Professor Rishikesh T. Krishnan, director, IIM-I. Professor Krishnan in his address mentioned that IPM is a course, which brings in the utmost young and dynamic students to the campus.

Credit system for IPM course amended



IIM Indore director Rishikesh T Krishnan addressing the newly inducted batch of IPM course on Tuesday. FP PHOTO

6TH BATCH OF THE AFTER-SCHOOL COURSE BEGINS

• OUR STAFF REPORTER
INDORE

The credit system for five-year Integrated Programme in Management (IPM), an after-school course offered by Indian Institute of Management Indore, has been amended. "The credit system for this year's IPM course has been molded and created in a way which provides time and space to assimilate diverse inputs in the programme," said IIM-Indore director Rishikesh T Krishnan while addressing the sixth batch of the IPM course on Tuesday.

The IPM 2016-21 course began with the registration of 121 students for the new batch.

Two-day induction programme was initiated on Tuesday in the presence of IPM batch 2016-21 along with their parents. The purpose of the induction programme is to encourage young minds and brief them about the coming

five years they would be spending at the institute.

The day began with registration of the students followed by a session on disability sensitisation by Mohammad Asif Iqbal, principal consultant (manager), PwC.

Iqbal lost his eyesight at a tender age of 16, but with his constant keenness to learn and with his positive zeal, he won over all obstacles.

Sharing his experience as a child he said, "When I started to lose my eyesight, I started considering that I was incapable of anything and was not meant to learn. Teachers started believing that it is no use investing time in me, as I would fail. But then I decided to overcome the negativity, overcome the fear and prove to myself that I can also live a normal life."

In his address, Krishnan mentioned that IPM is a course which brings in the most young and dynamic students, bringing diversity to the campus.

"Studying at IIM-Indore, it is always useful to keep an eye on what's happening around the globe. This is the time of opportuni-

IPM Batch 2016-21 Details

CATEGORY	COUNT
General	57
NC-OBC	33
SC	18
ST	9
Differently-abled	4
TOTAL	121

GENDER	COUNT
Male	73
Female	48

ties, but this is also a time of concerns. India is poised for economic growth, but the international environment is quite challenging now. Challenge is to realise the potential of the youth of our country. And this is what IPM aims at," he said.

Professor Ranjeet Nambudiri, Chair, IPM and Professor Kousik Guhathakurta briefed the students about the IPM course curriculum and structure. A video of testimonials by top performers of the first IPM batch (2011-16) which graduated this year was also shown

to motivate the young students.

IPM, the first of its kind in India launched by IIM-Indore, is a unique and creative programme to meet the aspirations of young students to become management professionals, change agents and societal leaders.

IPM is aimed at students who have passed out of class XII/Higher Secondary or equivalent from various schools in India.

First IPM batch (2011-16) graduated this year at the convocation held in March with 104 students. The recruiters from top-notch companies like Credit Suisse, Deloitte, JP Morgan, HDFC, ICICI Bank, IndusInd Bank, IBM, ICRA, Nomura, Tata Sky, hired IPM students at an average package of Rs 11.96 lakh per annum. The highest package was of Rs 30 lakh per annum.

The second day of induction programme would witness inaugural address by Dr Jaimini Bhagwati, ambassador, Ministry of External Affairs on the topic "Role of Foreign Policy in Extending International Footprint of Indian Business."

आईपीएम कोर्स के इंडक्शन प्रोग्राम में डिसएबिलिटी
सेंसिटाइजेशन पर बोले मोहम्मद आसिफ इकबाल

16 साल की उम्र में सिर्फ आंखों की रोशनी खोई थी, हौसला नहीं



सिटी रिपोर्टर • 'डिसएबल्स को दिव्यांग कहकर भी तो सहानुभूति ही जता रही है दुनिया। आम लोगों से अलग ही तो हो जाते हैं हम।' डिसएबिलिटी सेंसिटाइजेशन विषय पर आईआईएम में बोल रहे थे मोहम्मद आसिफ इकबाल। उन्होंने कहा 'कठिनाइयां और संघर्ष किसके जीवन में नहीं आते? इस दौर में खुद को संभाल लिया तो फिर कोई मंजिल दूर नहीं। 16 साल की उम्र में जब मेरी आंखों की रोशनी जा रही थी तब मैं अपने आप को अक्षम समझने लगा था। मुझे लगता कि मैं सीखने के योग्य भी नहीं हूँ। टीचर्स भी मुझे पढ़ाने से कतराते थे। वो मेरी सोच ही थी जिसने मुझे नकारात्मकता और डर से बाहर निकलकर खुद को साबित करने में मदद की।

मेरा सजेशन है कि हमेशा पॉजिटिव रहें, नॉलेज गेन करने के लिए हमेशा तत्पर रहें। अपने उस पैशन पर हमेशा फोकस बनाए रखें जो आपको खुश रखती हैं। कार्यक्रम में आईआईएम के डायरेक्टर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कहा- आईपीएम कोर्स में आने वाले युवा कैम्पस में भी विविधता लाते हैं। इस कोर्स के माध्यम से वे पूरी दुनिया से भी जुड़े रहते हैं। इस दौर में मौके बहुत हैं लेकिन उतनी ही समस्याएं भी हैं।

आज डॉ जेमिनी भगवती करेंगे संबोधित

इंडक्शन प्रोग्राम के दूसरे दिन मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स के एंबेसेडर डॉ. जेमिनी भगवती संबोधित करेंगे। वे रोल ऑफ फॉरेन पॉलिसी इन एक्सटेंडिंग इंटरनेशनल फुटप्रिंट ऑफ इंडियन बिजनेस विषय पर बोलेंगे।

121 छात्रों के साथ आईपीएम की नई बैच शुरू

इंदौर। नगर प्रतिनिधि

आईआईएम में मंगलवार को इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम रखा गया। इस साल 121 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इंडक्शन प्रोग्राम में विद्यार्थियों को संस्थान के बारे में बताने के साथ ही बेहतर कैरियर निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आईआईएम में पांच वर्षीय आईपीएम कोर्स की शुरुआत 2011 से हुई थी। इसी साल पहला बैच निकला है। प्रबंधन ने नई बैच के विद्यार्थियों को बताया कि आईपीएम के पहले बैच को 11 लाख 96 हजार का औसत पैकेज मिला है। वहीं अधिकतम पैकेज 30 लाख स्पष्ट प्रतिवर्ष तक रहा। इंडक्शन प्रोग्राम में पीडब्ल्यूसी के प्रिंसिपल कंसल्टेंट मोहम्मद आसिफ इकबाल विद्यार्थियों से रूबरू हुए। 16 साल की उम्र में अपनी आंखों की रोशनी गंवा चुके इकबाल ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में कभी हार नहीं मानना चाहिए। हम अपनी जिद, सकारात्मक सोच और जुनून से मुश्किल को पार कर सकते हैं। बुधवार को विदेश मंत्रालय के राजदूत डॉ. जेमिनी भगवती संबोधित करेंगे।

**Naidunia, August 3,
2016, Page-4**

युवाओं में गतिशीलता लाता है आईपीएम

इंदौर। आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) की छठी बैच के लिए 121 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इस बैच का दो दिनी इंडक्शन प्रोग्राम मंगलवार को शुरू हुआ। इसका उद्देश्य युवाओं को प्रोत्साहित करना व आने वाले पांच साल में वे संस्थान में क्या सीखने वाले हैं इसकी जानकारी देना है। पहली आईपीएम बैच के 104 छात्रों ने इस वर्ष मार्च 2016 में स्नातक किया। प्रोफेसर ऋषिकेशा टी कृष्णन ने कहा आईपीएम एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो युवा छात्रों में गतिशीलता लाता है।

आईआईएम में आईपीएम की छठी बैच के इंडक्शन प्रोग्राम में बोले मो.आसिफ इकबाल

सक्सेस के लिए आंख नहीं विजन चाहिए

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • देश की इकोनॉमी में जो ग्रोथ हो रही है उसके साथ इकोनॉमिकल चैलेंजेस भी बढ़ रहे हैं। आप पढ़ाई के साथ-साथ दुनियाभर में चल रही एक्टिविटी पर भी ध्यान दें। यंग जनरेशन चाहे तो आने वाले समय में भी हमारा देश हर चैलेंज से निपट सकेगा।

ये कहना है पीडब्ल्यूसी के प्रिंसिपल कंसल्टेंट मो. आसिफ इकबाल का। 16 साल की उम्र में ही आंखें खो चुके मो.इकबाल ने सकारात्मक नजरिए के जरिए मुकाम हासिल किया है। मंगलवार को वे आईआईएम इंदौर में



आईपीएम (इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट) की 2016-21 बैच के इंडक्शन प्रोग्राम में स्टूडेंट्स व पैरेंट्स से रूबरू हुए। आईपीएम में 121 एडमिशन हुए हैं जिनमें 73 लड़के और

48 लड़कियां हैं। इकबाल ने कहा, 'सक्सेस के लिए आंख की नहीं, सही विजन की जरूरत है। बचपन से मेरी आंखों की रोशनी कम होने लगी थी। तब मेरे मन में विचार आते थे कि अब मैं कुछ नहीं कर सकूंगा। मेरे टीचर भी सोचने लगे कि मुझे कुछ सिखाना बेकार है, लेकिन मैंने नेगेटिविटी दूर कर मेहनत और साबित कर दिखाया कि दूसरों की तरह ही नॉर्मल लाइफ जी सकता हूं। आईआईएम डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी.कृष्णन ने बताया, 'आईपीएम में स्टूडेंट्स को ज्यादा नॉलेज देने के लिए क्रेडिट बेस्ड सिस्टम में बदलाव किया है।'

Patrika, August 3, 2016, Page-15

● आईआईएम में दो दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

हमेशा पॉजिटिव रहें, पैशन पर फोकस

आईआईएम (भारतीय प्रबंध संस्थान) इंदौर में मंगलवार को छठी आईपीएम बैच के लिए दो दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत मंगलवार को हुई। इस अवसर पर पीडब्ल्यूसी कंसल्टेंट मो. आसिफ इकबाल ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने स्टूडेंट्स से स्वयं की आईज डिसएबिलिटी की शुरुआत की कहानी शेयर की।

संग रिपोर्टर ● इंदौर

editor@peoplesamachar.co.in

मोहम्मद आसिफ इकबाल ने बताया कि 16 साल की उम्र में जब आंखों की रोशनी जाने लगी तो मुझे हर कार्य में परेशानी होने लगी। मैं पढ़ाई से लेकर हर कार्य में पीछे होने लगा। मेरे टीचर्स को भी लगने लगा कि मुझ पर समय खर्च करने का कोई फायदा नहीं होगा। तब मैंने दृढ़ निश्चय किया कि अपनी नकारात्मकता को कम करूंगा। उसे मेरे व्यक्तित्व पर हावी नहीं होने दूंगा। हर डर को दूर कर स्वयं को साबित करना ही मेरा उद्देश्य बना। उन्होंने कहा कि आप एक बेहतर स्थिति में हैं। जीवन में हार-जीत मिलती रहेगी। लाइफ के हर कदम पर पॉजिटिविटी को बनाए रखें और पैशन पर फोकस करें, ताकि जो लक्ष्य बनाएं उसे पूरा करने में आने वाली कठिनाओं को दूर करने में आसानी हो।

डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन ने स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि आईआईएम में आगामी पांच वर्ष उनके ब्राइट फ्यूचर को दिशा देने वाले हैं, इसलिए अब उन्हें पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ चैलेंज को एक्सेप्ट करते हुए आगे बढ़ना है।



Peoples Samachar, August 3, 2016, Page-6



नहीं बुझने दें ज्ञान की प्यास

इंदौर। आईआईएम के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) 2016-21 के छठवें बैच की शुरुआत मंगलवार से हुई। नए बैच में 121 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया। दो दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम में स्टूडेंट्स और पैरेंट्स शामिल हुए। इस दौरान मोहम्मद आसिफ इकबाल, प्रिंसिपल कंसल्टेंट (मैनेजर), पीडब्ल्यूसी ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा स्टूडेंट्स को हमेशा नॉलेज लेने की कोशिश करना चाहिए। ज्ञान की प्यास नहीं बुझने देना चाहिए।

Raj Express, August 3, 2016, Page-2

IPM induction prog concludes at IIM-I

● OUR STAFF REPORTER
INDORE

IPM induction programme concluded with briefings on security and safety, prevention and prohibition, gender sensitivity, hostel and student affairs, library and plagiarism and IT infrastructure of institute on Wednesday.

Dr Jaimini Bhagwati, Ambassador, Ministry of External Affairs was the chief guest of the conclusion ceremony who addressed the students on 'Role of Foreign Policy in Extending International Footprint of Indian Business'.

He discussed the importance of economic diplomacy and how it has brought in changes in the Indian business scenario, be it in the terms of foreign trade or portfolio investments.

"The world is becoming co-dependent after the advancements in technology.



Dr Bhagwati interacting with students of IIM-I

However, economic diplomacy is not restricted to just this aspect. It is an integral part of the foreign policy which gains importance after the game changing industrial economic reforms plus the devaluation of the rupee in the year 1991," he added.

Discussing the bilateral trade in goods, Dr Bhagwati said that in the year 2014 India's two-way trade in goods with the USA was just 10.8 per cent of what USA had with China. Simi-

larly, the trade with Japan was just 4.9 per cent to that compared with what USA had with Japan.

'Certificate of Academic Excellence' to top performers of IPM batch-2013

- 1 Chandra Goyal and Shilpika Ganeriwala
- 2 Vanshika Chaudhary
- 3 R Harish
- 4 Abhilasha Jas
- 5 Pradyumna Choudhary and Sanchita Goel

Free Press, August 4, 2016, Page-2